घरेलू विवाद में कुल्हाड़ी से हमला कर पिता की हत्या

सांगानेर सदर क्षेत्र के गोविंदपुरा इलाके का मामला, शव ठिकाने लगाने से पहले बेटा-मां पुलिस के हत्थे चढ़े

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । सांगानेर सदर थाना इलाके के गोविंदपुरा में घरेलू विवाद के चलते 45 वर्षीय बेटे सवाई राम जाट ने अपने 75 वर्षीय पिता जगदीश जाट की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने शव को करीब एक दिन घर में छिपाए रखा। दूसरे दिन गांव टोडारायसिंह ले जाकर अंतिम संस्कार करने के लिए टैक्सी बुलाई, लेकिन शव से बदबू आने पर चालक को शक हो गया और उसने पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस के पहुंचने से पहले आरोपी शव को घर के पास खाली प्लॉट में ठिकाने लगाने की कोशिश कर रहा था।

डीसीपी दक्षिण राजर्षिराज वर्मा ने बताया कि मृतक जगदीश जाट टोडारायसिंह का रहने वाला था और गोविंदपुरा में पत्नी सजनी व छोटे बेटे सवाई राम के साथ रहता था। पुलिस ने सवाई राम और मौके पर मौजूद उसकी मां सजनी को हिरासत में लिया है। प्रारंभिक पूछताछ में सवाई राम ने हत्या करना स्वीकार किया है।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि पिता शराब पीने के बाद आए दिन परिवार से झगड़ा करते थे। 18 अगस्त की रात भी दोनों के बीच

■ **शव कंबल में बांधकर गांव ले जाकर अंतिम संस्कार करने की तैयारी थी, टैक्सी चालक ने शक होने पर पुलिस को सूचना दी तो मामला खुला**

कहासुनी हुई। विवाद बढ़ने पर गुस्से में सवाई राम ने कुल्हाड़ी से पिता के सिर पर वार कर दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। उस समय मां सजनी भी घर पर मौजूद थी। हत्या के बाद सवाई राम ने शव को कंबल में बांधकर घर में छिपा दिया। शव ठिकाने लगाने के लिए जगह नहीं मिलने पर उसने गांव ले जाकर अंतिम संस्कार करने की योजना बनाई। गुरुवार सुबह टैक्सी बुलाकर चालक को पिता की मौत की बात बताई। शव से बदबू आने पर चालक को संदेह हुआ और उसने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची तो आरोपी शव को पास के खाली प्लॉट में फेंकने की तैयारी कर रहा था। पुलिस ने उसे पकड़ लिया। मौके पर एफएसएल टीम बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। वारदात में प्रयुक्त कुल्हाड़ी बरामद करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि जगदीश, उसकी पत्नी सजनी और दोनों बेटे पहले भी परिवार की बहू की हत्या के मामले में आरोपी रह चुके हैं। पुलिस के अनुसार वर्ष 2022/2024 में दर्ज इस मामले में परिवार के चारों सदस्य जेल गए थे। जगदीश, सजनी और सवाई राम करीब चार माह पहले जमानत पर बाहर आए थे, जबकि बड़ा बेटा अभी जेल में है। पुलिस मौजूदा हत्या के साथ पुराने मामले की भी विस्तृत जांच कर रही है।

'पिछले चार वर्ष में प्रदेश में टी.बी. मुक्त ग्राम पंचायतों की संख्या 29 से बढ़कर 6547 हुई'

स्क्रीनिंग, जांच-उपचार में तेजी लाकर ''टीबी मुक्त राजस्थान'' का लक्ष्य हासिल करें : मुख्य सचिव

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राज्यपाल हरिभाऊ बागडे एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की पालना में प्रदेश को टीबी मुक्त बनाने के प्रयासों को और गति दी जाए। इसके लिए स्क्रीनिंग, जांच और उपचार को सघन करते हुए कमजोर प्रदर्शन वाले जिलों पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा जिला स्तर पर प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। मुख्य सचिव गुरुवार को शासन सचिवालय में टीबी मुक्त भारत अभियान की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने टीबी की समय पर पहचान के लिए एक्स-रे मशीनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने और न्यूक्लिक एसिड एम्प्लीफिकेशन टेस्ट बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिलों की कार्यप्रणाली से सीख लेते हुए अन्य जिलों में भी प्रभावी कार्ययोजना के साथ परिणामों में सुधार लाया जाए।

मुख्य सचिव ने टीबी उन्मूलन में जनभागीदारी को और मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने माय भारत स्वयंसेवकों को अभियान से सक्रिय रूप से जोड़ने, एनसीसी कैडेट्स की ब्लॉक स्तर तक भागीदारी बढ़ाने तथा एएनएम, आशा सहयोगिनी और सीएचओ सहित जमीनी स्तर के स्वास्थ्य कार्मिकों की प्रभावी भूमिका सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने टीबी मुक्त राजस्थान के लक्ष्य को हासिल करने के लिए स्पष्ट रोडमैप तैयार कर कार्य करने के निर्देश दिए।

बैठक में प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग गायत्री राठौड ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से अभियान की प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2022 में 29 ग्राम पंचायतें टीबी मुक्त घोषित की गई थीं। यह संख्या वर्ष 2023 में बढ़कर 586, वर्ष 2024 में 3350 तथा वर्ष 2025 में 6547 तक पहुंच गई। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत प्रदेश में 2 करोड़ 38 लाख 43 हजार 583 लोगों की स्क्रीनिंग की गई है तथा टीबी रोगियों को 2 लाख 4 हजार 888 पोषण किट वितरित की गई हैं। वर्ष 2026 में एक्स-रे उपयोग लक्ष्य के मुकाबले 83 प्रतिशत तक पहुंचा है। राठौड़ ने बताया कि प्रदेश में टीबी जांच के लिए 643 लैब, 132 हैंड-हेल्ड एक्स-रे यूनिट और 652 फिक्स्ड एक्स-रे मशीनें उपलब्ध हैं। अभियान के दौरान 3 लाख 29 हजार से अधिक टेस्ट और 35 लाख 87 हजार से अधिक एक्स-रे किए गए हैं। बैठक में एनएचएम के मिशन निदेशक डॉ. जोगा राम सहित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने गुरुवार को सचिवालय में टीबी मुक्त भारत अभियान की प्रगति की समीक्षा की।

जूनियर इंस्ट्रक्टर भर्ती की 3 साल पुरानी विसंगति दूर

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार ने जूनियर इंस्ट्रक्टर भर्ती से जुड़ी करीब तीन वर्ष पुरानी तकनीकी विसंगति के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कौशल, नियोजन एवं उद्यिमता मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने अधिकारियों को पात्र अभ्यर्थियों के हित सुरक्षित रखते हुए भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं नियमसम्मत तरीके से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

दरअसल, सितंबर 2023 में सेवा नियमों में संशोधन के दौरान डीजीटी के 30 जून 2023 के दिशा-निर्देश शामिल नहीं किए जाने से कुछ ट्रेडों में सीआईटीएस योग्यता को लेकर पात्रता की स्थिति स्पष्ट नहीं रही। इसके चलते भर्ती प्रक्रिया पूरी होने के बाद कुछ अभ्यर्थियों की नियुक्ति को लेकर कानूनी जटिलता उत्पन्न हुई। राज्य सरकार ने पूरे मामले की कानूनी समीक्षा के बाद 19 अगस्त 2026 को आदेश जारी कर आगे की प्रक्रिया निर्धारित की है। सीआईटीएस योग्यता अनिवार्य वाले ट्रेडों में पहले सीआईटीएस धारक अथवा डीजीटी से अनुमोदित समकक्ष प्रमाण-पत्र रखने वाले अभ्यर्थियों को आरएसएसबी की ट्रेडवार, टीएसपी/नॉन-टीएसपी और श्रेणीवार मेरिट के आधार पर दस्तावेज एवं पात्रता सत्यापन के बाद नियुक्ति का अवसर मिलेगा। मुख्य सूची के बाद प्रतीक्षा सूची से भी नियुक्तियां की जाएंगी। यदि इसके बाद भी रिक्तियां बचती हैं तो डीजीटी दिशा-निर्देशों के अनुरूप गैर-सीआईटीएस अभ्यर्थियों को मेरिट के आधार पर अनंतिम नियुक्ति का अवसर दिया जाएगा।

करीब 2500 जूनियर इंस्ट्रक्टर पदों की भर्ती में अब तक लगभग 1,160 अभ्यर्थियों को नियुक्ति दी जा चुकी है। करीब 450 अभ्यर्थियों की अनुशंसा आरएसएसबी को भेजी गई थी, जिनमें से लगभग 110 अभ्यर्थियों का परिणाम 17 अगस्त को जारी हुआ है। नई व्यवस्था से करीब 400 अभ्यर्थियों के चयन की संभावना है। इस प्रकार कुल मिलाकर लगभग 850 युवाओं को लाभ मिलने की उम्मीद है। विभाग ने स्पष्ट किया कि प्रस्तावित नियुक्तियां संबंधित न्यायिक प्रकरणों के अंतिम परिणाम के अधीन रहेंगी। सरकार का प्रयास है कि तकनीकी या प्रशासनिक विसंगति का खामियाजा पात्र युवाओं को न भुगतना पड़े और न्यायालय के निर्देशों का सम्मान करते हुए भर्ती प्रक्रिया को तेजी से पूरा किया जाए।

रोडवेज के तत्कालीन प्रबंध निदेशक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश

श्रम न्यायालय ने दो आई.ए.एस. का वेतन रोकने के आदेश भी दिए

जयपुर (कासं)। जयपुर मेट्रो-द्वितीय के श्रम न्यायालय-1 ने रोडवेज बस कंडक्टर के साप्ताहिक अवकाश पर किए काम व ओवरटाइम का बकाया नहीं देने पर सख्ती दिखाते हुए रोडवेज के तत्कालीन प्रबंध निदेशक (जुलाई-2021 से जून 2022) के खिलाफ संबंधित एसएचओ को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है।

इसके साथ ही अदालत ने मुख्य सचिव को निर्देश दिया है कि वे कौशल, नियोजन एवं उद्यिमता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के वेतन से सीधे कटौती कर मूल बकाया का 12 फीसदी वार्षिक ब्याज व्यक्तिगत रूप से वसूलें और पूरी बकाया राशि की वसूली नहीं होने तक उनका वेतन रोके।

अदालत ने आरएसआरटीसी के मौजूदा प्रबंध निदेशक के वेतन से भी कटौती कर अतिरिक्त 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की वसूली की जाए व वसूली पूरी होने तक उनका वेतन भी रोके। श्रम न्यायालय के पीठासीन अधिकारी दिनेश कुमार गुप्ता ने यह आदेश सीताराम की ओर से दायर याचिका पर दिए।

■ **मामले के अनुसार याचिकाकर्ता सीताराम ने साल 1996 से 2013 के बीच के 124 साप्ताहिक अवकाश के दिनों में काम किया था। जिसका नियमानुसार दोगुना ओवरटाइम भुगतान देय था, लेकिन रोडवेज ने उसे राशि का भुगतान नहीं किया।**

न्यायालय ने आदेश की कॉपी केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को भेजकर तत्कालीन प्रबंध निदेशक के खिलाफ विभागीय कार्यवाही करने और हाईकोर्ट को रेफरेंस भेजकर उनके खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू करने के लिए भी कहा है। न्यायालय ने टिप्पणी करते हुए कहा कि किसी श्रमिक से निर्धारित मजदूरी का भुगतान किए बिना ओवरटाइम काम कराना भारतीय संविधान के अनुच्छेद 23 के तहत बेगार और जबरन श्रम के समान है। न्यायालय ने पालना रिपोर्ट एक सितंबर 2026 को पेश करने के लिए कहा है।

मामले के अनुसार याचिकाकर्ता सीताराम ने साल 1996 से 2013 के बीच के 124 साप्ताहिक अवकाश के दिनों में काम किया था। जिसका नियमानुसार दोगुना ओवरटाइम भुगतान देय था, लेकिन रोडवेज ने उसे राशि का भुगतान नहीं किया। भुगतान दिलवाने के लिए उसने 2018 में श्रम न्यायालय में गुहार लगाई। जून 2026 में न्यायालय ने 109740 रुपए ब्याज सहित भुगतान के आदेश दिए थे। लेकिन रोडवेज ने उसे केवल 13,076 रुपए का ही आंशिक भुगतान किया।

चंडीगढ़ से गुजरात जा रही 60 लाख की शराब पकड़ी

जयपुर । अवैध शराब तस्करी पर स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने कार्रवाई करते हुए चित्तौड़गढ़ के मंगलवाड थाना क्षेत्र में 60 लाख रुपए की शराब जब्त की है। टीम ने शराब से भरे मिनी ट्रक को पकड़कर चालक को गिरफ्तार किया।

एसओजी के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विशाल बंसल ने बताया कि एसओजी की टीम को सूचना मिली थी कि चंडीगढ़ से दिल्ली होते हुए गुजरात के लिए अवैध शराब की बड़ी खेप भेजी जा रही है। इस पर 18 अगस्त को मंगलवाड़ क्षेत्र में संदिग्ध मिनी ट्रक की घेराबंदी कर तलाशी ली गई। ट्रक से विभिन्न ब्रांड की 505 कार्टन शराब बरामद हुई। इनमें रॉयल चैलेंजर के 173, पार्टी स्पेशल के 180, किंगफिशर बीयर के 120, चार्ली व्हिस्की के 25 और ऑल सिजन के 7 कार्टन शामिल हैं। बरामद शराब की अनुमानित कीमत करीब 60 लाख रुपए बताई गई है। एसओजी की टीम ने ट्रक चालक रिंकू (25) निवासी भिवानी हरियाणा को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर शराब तस्करी के नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है।

बावड़ी में डूबे पदयात्री को कांस्टेबल ने बचाया

जयपुर (कासं)। श्री डिग्गी कल्याण जी महाराज की 61वीं लक्खी पदयात्रा के दौरान गुरुवार को जयपुर ग्रामीण जिले के फागी में बड़ा हादसा टल गया। जहां सीतारामजी मंदिर के पास बावड़ी में नहाते समय पैर फिसलने से 18 वर्षीय पदयात्री गहरे पानी में डूबने लगा। वहां मौके पर तैनात कांस्टेबल ने वर्दी में ही बावड़ी में छलांग लगाकर उसकी जान बचा ली।

जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद ने बताया कि गोविंदगढ के निवाना निवासी दिव्यांश (18) पदयात्रा में शामिल था। फागी में सीताराम जी मंदिर के पास बावड़ी की सीढ़ियों पर नहाते समय अचानक पैर फिसलने से वह गहरे पानी में जा गिरा। उसे डूबता देखकर पदयात्रियों ने शोर मचाकर मदद मांगी। आवाज सुनकर पदयात्रा की सुरक्षा ड्यूटी में तैनात अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालय दूदू के कांस्टेबल मुकेश कुमार तत्काल मौके पर पहुंचे। उन्होंने बिना समय गंवाए वर्दी सहित बावड़ी में छलांग लगा दी और कड़ी मशक्कत के बाद दिव्यांश को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। कांस्टेबल की तत्परता और साहस की मौके पर मौजूद पदयात्रियों और दिव्यांश के परिजनों ने सराहना की। पदयात्रा की सुरक्षा व्यवस्था अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू शिवलाल बैरवा, वृत्ताधिकारी फागी अनिल कुमार डोरिया और थानाधिकारी पुष्पेन्द्र बंसीवाल की निगरानी में की जा रही है। गौरतलब है कि 61वीं डिग्गी पदयात्रा 18 अगस्त को जयपुर के ताड़केश्वर मंदिर से रवाना हुई थी और 22 अगस्त को टोंक जिले के श्री डिग्गी कल्याण मंदिर पहुंचेगी।

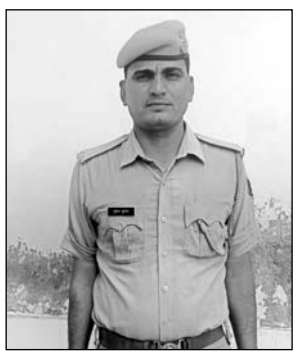

कांस्टेबल मुकेश कुमार

हरियाणा में 23 को गूंजेगा ''संगठन शक्ति'' का संदेश

चंडीगढ़/गुरुग्राम । हरियाणा भाजपा 23 अगस्त को प्रदेश के सभी शक्ति केंद्रों पर एक साथ ''टिफिन बैठक'' आयोजित करेगी। दोपहर 12 से 3 बजे तक होने वाली इन बैठकों में प्रदेश के सभी 27 सांगठनिक जिलों के कार्यकर्ता शामिल होंगे। पार्टी ने इसे बूथ सशक्तीकरण, कार्यकर्ता संवाद और संगठन विस्तार के अभियान के रूप में तैयार किया है।

कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता की अध्यक्षता में वर्चुअल बैठक हुई। इसमें भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री एवं हरियाणा-पंजाब प्रभारी डॉ. सतीश पूनियां और प्रदेश संगठन महामंत्री फणिंद्रनाथ शर्मा सहित वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। डॉ. सतीश पूनियां ने कहा कि मजबूत बूथ ही मजबूत संगठन और मजबूत भाजपा की आधारशिला है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि टिफिन बैठकों को केवल औपचारिक कार्यक्रम न बनाकर संगठन विस्तार और जनसंपर्क का माध्यम बनाया जाए। केंद्र की मोदी सरकार और राज्य की नायब सैनी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाई जाए। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि टिफिन बैठकें कार्यकर्ताओं के बीच आत्मीय संवाद और आपसी समन्वय बढ़ाने का माध्यम हैं। प्रत्येक शक्ति केंद्र पर बूथ अध्यक्ष, बूथ पालक, बीएलए-2 और वरिष्ठ पदाधिकारियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में प्रत्येक शक्ति केंद्र की गतिविधि 'सरल' पोर्टल पर दर्ज करने, मतदाता सूची में पात्र लोगों को जोड़ने और गलत प्रविष्टियों को नियमानुसार दुरुस्त कराने पर भी जोर दिया गया। इसके अलावा संत रविदास जी की जन्मस्थली की पवित्र माटी को गांव-गांव पहुंचाने के बारे में जानकारी दी गई।

जन्माष्टमी की तैयारियों को लेकर गोविंददेवजी मंदिर प्रशासन और जिला प्रशासन में खींचतान

कलेक्टर की बैठक में मंदिर प्रशासन नहीं पहुंचा, 2 घंटे पहले सूचना देने पर नाराजगी जताई

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । गुलाबी नगरी के आराध्यदेव श्री गोविंद देवजी मंदिर में जन्माष्टमी पर्व की तैयारियों को लेकर मंदिर प्रशासन और जिला प्रशासन के बीच खींचतान सामने आई है। जन्माष्टमी की तैयारियों को लेकर जिला कलेक्टर की ओर से बुलाई गई बैठक में मंदिर प्रशासन ने हिस्सा नहीं लिया। मंदिर प्रशासन ने बैठक की सूचना ऐन वक्त पर दिए जाने और पहले से भेजे गए पत्रों के बावजूद व्यवस्थाओं पर अपेक्षित ध्यान नहीं देने पर नाराजगी जताई है।

मंदिर प्रशासन का कहना है कि जन्माष्टमी पर्व की तैयारियों को लेकर करीब एक माह पहले ही जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन को पत्र भेजकर आवश्यक व्यवस्थाएं करने का आग्रह किया गया था। मंदिर तक आने वाले रास्तों में कई जगह सड़क मरम्मत, यातायात व्यवस्था और अन्य सुविधाओं को लेकर भी प्रशासन को अवगत कराया गया था, लेकिन अब तक इन व्यवस्थाओं पर अपेक्षित काम नहीं हुआ।

मंदिर प्रशासन के अनुसार जिला प्रशासन ने गुरुवार को बैठक बुलाई, लेकिन इसकी सूचना बैठक से महज दो घंटे पहले व्हाट्सऐप के माध्यम से दी गई। मंदिर प्रशासन का कहना है कि इतने कम समय में बैठक की सूचना देना उचित नहीं है। इसी कारण मंदिर प्रशासन बैठक में शामिल नहीं हुआ। श्री गोविंद देवजी मंदिर में जन्माष्टमी का पर्व हर साल भव्य रूप से मनाया जाता है। मंदिर प्रशासन के मुताबिक पर्व के दौरान पांच लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना रहती है। ऐसे में यातायात, सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, पार्किंग, पेयजल, सफाई और दर्शन व्यवस्था को लेकर बड़े स्तर पर तैयारियां करनी होती हैं।

जन्माष्टमी के दौरान मंदिर प्रशासन की ओर से नियमित रूप से आने वाले भक्तों के लिए वीआईपी पास जारी किए जाने की व्यवस्था भी रहती है। इन पासों को लेकर मंदिर प्रशासन और पुलिस प्रशासन के बीच मतभेद सामने आए हैं। पुलिस व्यवस्था और मंदिर की दर्शन व्यवस्था में समन्वय को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। जन्माष्टमी पर्व में अब करीब दो सप्ताह का समय शेष है। ऐसे में मंदिर प्रशासन और जिला प्रशासन के सामने सुरक्षा, यातायात, दर्शन, सड़क मरम्मत और श्रद्धालुओं की सुविधाओं से जुड़ी व्यवस्थाओं को समय रहते पूरा करने की चुनौती है। दोनों पक्षों के बीच बेहतर समन्वय के बिना लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ को संभालना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकता है। उधर जन्माष्टमी को लेकर मंदिर में तैयारियां जोर-शोर से चल रही है।

गोविंददेवजी मंदिर में सजी झांकी।

सार-समाचार

'द राइज ऑफ फेमिनिन लीडरशिप' के तृतीय संस्करण का विमोचन

जयपुर । राजस्थान विधानसभा में 'द राइज ऑफ फेमिनिन लीडरशिप' के तृतीय संस्करण का विमोचन विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने किया। पुस्तक का संपादन एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. स्वायत्त महाविद्यालय, जयपुर के इतिहास विभाग की सहायक आचार्य डॉ. श्वेता शर्मा ने किया है। पुस्तक में महिला नेतृत्व, सशक्तीकरण, शिक्षा, सामाजिक सहभागिता और राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की बढ़ती भूमिका को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया है। इस अवसर पर संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य तथा न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने डॉ. श्वेता शर्मा के अकादमिक एवं संपादकीय कार्यों की सराहना की और उन्हें आगे भी शोध एवं अकादमिक कार्य जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. श्वेता शर्मा ने पुस्तक के सह-संपादक, लेखकों एवं सभी योगदानकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग और सामूहिक प्रयासों से यह महत्वपूर्ण संस्करण संभव हो सका। उन्होंने इस उपलब्धि को अपनी अकादमिक एवं संपादकीय यात्रा का गौरवपूर्ण पड़ाव बताया।

लीडर सम्मान समारोह का आयोजन

जयपुर । जयपुर के 13 गांवों से 12 युवा महिलाओं का चयन कर स्माइल संस्था द्वारा 10 माह तक इनमें नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए प्रशिक्षण दिया गया। इन्हें प्रति माह 2 दिन का प्रशिक्षण, नेतृत्व के विभिन्न पहलुओं पर दिया गया। इनमें से प्रत्येक ने अपने अपने गाँव में 20- 25 महिलाओं के समूह बनाए और उन्हें संगठित कर अपनी समस्याओं का निराकरण करने हेतु प्रशिक्षित किया ताकि सरकार की सारी योजनाओं का लाभ वंचित महिलाओं तक पहुंच सके। कार्यक्रम से जुड़ी लगभग 200 महिलाओं का सम्मेलन आयोजित किया गया। स्माइल की अध्यक्ष अनिता भाणावत ने बताया कि स्माइल संस्था 2003 से वंचित वर्ग की महिलाओं और बालिकाओं के लिए शिक्षण, जीवन कौशल प्रशिक्षण, काउंसलिंग, व्यावसायिक प्रशिक्षण आदि का कार्य कर रही है। अब तक लगभग 10000 महिलाएं स्माइल संस्था के विभिन्न कार्यक्रमों से लाभान्वित हो चुकी हैं। स्माइल की सचिव कामिनी शुक्ला और डॉक्टर प्रीतम ने लीडर शिप कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई और 10 माह तक इसका संचालन किया। सम्मान समारोह में पूर्व आईएएस राजेंद्र भाणावत, अध्यक्ष राजस्थान प्रौढ़ शिक्षण समिति राजेंद्र बोड़ा, पूर्व मुख्य आयकर आयुक्त रेणु अमिताभ, पूर्व महाविद्यालय प्राचार्य कौशल्या भंडारी, पूर्व मुख्य प्रबंधक एस बी आई माधवी, रीको की पूर्व वित्तीय सलाहकार अपर्णा सहाय, निदेशक संधान सुनील शेखर मौजूद थे।

एसकेआईटी में ओरिएंटेशन कार्यक्रम

जयपुर (कासं)। स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट एंड ग्रामोत्थान (एसकेआईटी), जगतपुरा में बीटेक प्रथम वर्ष के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए ''शुभागमन-ओरिएंटेशन कार्यक्रम'' आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व निदेशक, सीएसआईआर-सीरी पिलानी डॉ. पी.सी. पंचारिया रहे। डॉ. पंचारिया ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की देश के विकास में भूमिका बताई और युवा इंजीनियरों से तकनीकी क्षमता का उपयोग राष्ट्र निर्माण एवं सामाजिक समस्याओं के समाधान में करने का आ ान किया। विशिष्ट वक्ता इंडियन एक्सप्रेस के हेड ऑफ हिंदी डिजिटल एंड वीडियो स्ट्रेटेजी सौरभ द्विवेदी ने व्यक्तिगत विकास, आत्मविश्वास, संवाद कौशल, अनुशासन और निरंतर सीखने के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम में संस्थान के चेयरमैन सुरजाराम मील, वाइस चेयरमैन अनिल बाफना, डायरेक्टर जयपाल मील, डायरेक्टर एकेडमिक्स डॉ. एस.एल. सुराना, रजिस्ट्रार रचना मील, प्रिंसिपल डॉ. रमेश पचार, डीन डॉ. आर.के. जैन एवं बीटेक प्रथम वर्ष इंचार्ज डॉ. संगीता चौधरी सहित शिक्षक एवं अधिकारी मौजूद रहे।

युवक ने ट्रेन के आगे छलांग लगाई

जयपुर । चौमूं इलाके में 27 वर्षीय युवक ने आत्महत्या कर ली। आत्मघाती कदम उठाने से पहले युवक ने करीब एक मिनट का वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर साझा किया। वीडियो में उसने अपनी मौत के लिए कथित तौर पर माता-पिता और भाई को जिम्मेदार बताया है। पुलिस वीडियो के आधार पर मामले की जांच कर रही है। जीआरपी की एएसआई संतोष के अनुसार मृतक विकास कौशिक झुंझुनू के बुहाना गांव का रहने वाला था और चौमू क्षेत्र के एक होटल में काम करता था। उसने आत्महत्या से पहले वीडियो बनाया। वीडियो की जानकारी मिलने पर परिजनों ने चौमूं थाने में शिकायत दी। पुलिस के मुताबिक वीडियो बनाने के करीब आधे घंटे बाद विकास ने चौमू के पाच्यांवाली ढाणी अंडरपास के पास ट्रेन के आगे छलांग लगा दी। बताया जा रहा है कि वह कुछ देर रेलवे ट्रैक पर बैठा रहा और ट्रेन आते ही उसके आगे कूद गया। हादसे में उसकी मौत हो गई। जीआरपी ने शव की पहचान के बाद पोस्टमार्टम के लिए चौमू सीएचसी की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस को मिले वीडियो में युवक ने मानसिक परेशानी का जिक्र करते हुए अपनी मौत के लिए परिवार के तीन सदस्यों को जिम्मेदार बताया। वीडियो में उसने अपना नाम और पता भी बताया था। पुलिस वीडियो नोट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच कर रही है।

आन्ध्रप्रदेश के पत्रकारों ने देखी विधानसभा

जयपुर । राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा से गुरुवार को यहां राजस्थान विधान सभा में आन्ध्र प्रदेश के विभिन्न समाचार पत्रों के सम्पादकों और वरिष्ठ पत्रकारों के दल ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री शर्मा और स्पीकर देवनानी ने पत्रकारों से परिचय लिया और उन्हें राजस्थान यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी। पत्रकार दल ने मुख्यमंत्री शर्मा और स्पीकर देवनानी को स्मृति चिन्ह भेंट किया। भारत सरकार के सूचना प्रसारण मंत्रालय के पत्र सूचना कार्यालय द्वारा आयोजित इस भ्रमण कार्यक्रम के तहत पत्रकार दल ने राजस्थान विधान सभा के भवन, सदन और राजनैतिक आख्यान संग्रहालय का अवलोकन किया। इस मौके पर पत्र सूचना कार्यालय जयपुर के निदेशक अनुभव बैरवा, आशीष वर्मा और आन्ध्र प्रदेश पत्र सूचना कार्यालय के आर. रमेश चन्द्रा और श्री वाई उपेन्द्र भी मौजूद रहे।